11 जनवरी 2019

प्रेस विज्ञप्ति

विश्व पुस्तक मेले में पाठकों की भारी भीड़

आज नौ दिवसीय विश्व पुस्तक मेले का सातवाँ दिन था। कार्यदिवस होते हुए भी सुबह से बच्चों, उनके अध्यापकों और अभिभावकों की भारी भीड़ देखकर आश्वस्त हुआ जा सकता है कि आज भी पुस्तकों के प्रति लोगों में आकर्षण खत्म नहीं हुआ है। पुस्तकों की चाहे कितनी ही नई तकनीकें क्यों न विकसित हो जाएँ, मुद्रित पुस्तकों का रोमांच सदैव बना रहेगा।

थीम मंडप

आज मेले के थीम मंडप पर गोवा की माननीय राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा उपस्थित हुईं। उन्होनें मेले के भव्य आयोजन की सराहना की। थीम मंडप में गवर्नमेंट स्कूल फॉर ब्लाइंड, जमालपुर, लुधियाना से आए दृष्टिबाधित बच्चों द्वारा संगीत कार्यक्रम में शबद एवं लोक संगीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में गवर्नमेंट स्कूल फॉर ब्लाइंड के सिमर, लवली मेहता, संदीप कौर, मनप्रीत कौर, हर्षिता सहगल ने भाग लिया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा थीम मंडप पर अर्जुन पुरस्कार प्राप्त पैरा–ओलंपियन राजिंदर सिंह; पैरा एथलीट मनप्रीत कौर और परविंदर सिंह के साथ चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इन खिलाड़ियों ने अपनी संघर्ष–यात्रा से पाठकों को अवगत करवाया तथा इस यात्रा में अपने माता–पिता व शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम में श्री जसवंत सिंह जफर ने खिलाड़ियों के साथ बातचीत की।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में गायक बंत सिंह झब्बर के साथ डॉ. कुलवीर तथा गुरभेज गुरया ने बातचीत की। जिसमें उन्होंने बताया कि उनके जीवन की एक मार्मिक कहानी है। अपनी बेटी के सामूहिक बलात्कार का विरोध करने पर उन पर एक हमला किया गया जिसमें उन्होंने अपने दोनों हाथ और एक पैर खो दिए।

बाल गतिविधियाँ

हॉल सं.7 एच के पास निर्मित हैंगर में बच्चों के लिए बने आकर्षक मंडप पर दिनभर रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। आज इस मंच पर निगम प्रतिभा विद्यालय से आए बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये गए तथा 'स्वच्छता' विषय पर आधारित नाटिका का मंचन किया गया।

इसके अतिरिक्त यहाँ एबीडीएस कॉर्पोरेशन द्वारा 'छात्रों के संवैधानिक अधिकार' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे : एस. के. सक्सेना; निगम प्रतिभा विद्यालय की प्रधानाचार्या सुजाता गुप्ता, शिक्षाविद् राजेश मिश्रा, आईएफसीआई

फैक्टर्स लिमिटेड के प्रबंध–निदेशक बिकास राय तथा सुप्रीम कोर्ट से एडवोकेट सविता सिंह। इस अवसर पर एबीडीएस कॉर्पोरेशन के मुख्य संपादक श्री दीपांकर सिन्हा भी उपस्थित थे। यहाँ बच्चों को कहानियों के माध्यम से बाल अधिकारों के विषय में जानकारी दी गई।

इसी मंडप पर आज राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'कहानी सृजन' पर कार्यशाला आयोजित हुई जिसमें लेखक संजीव जायसवाल ने बच्चों को बताया कि कहानियाँ किस प्रकार बनाई जाती हैं। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को *'चिम्पू'* और *'शेरा'* की रोचक कहानियाँ भी सुनाईं जिनका बच्चों ने भरपूर आनंद लिया।

एमिटी यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा कहानी लेखन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में उपस्थित लेखक व मनोवैज्ञानिक डॉ. ईरा सक्सेना ने एमिटी इंटरनेशनल विद्यालय के बच्चों को *बब्बन नाई* की कहानी सुनाई।

साहित्यिक गतिविधियाँ

ऑथर्स कॉर्नर पर दिव्य प्रकाश दुबे द्वारा लिखित पुस्तक 'अक्टूबर जंक्शन' का ऑडियो प्रारूप जारी किया गया। दिव्य प्रकाश दुबे ने 'नए हिंदी साहित्य' के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि समाज को आज के युवाओं के साथ बेहतर संपर्क बनाने के लिए ऐसे हिंदी साहित्य को स्वीकार करना शुरू करना चाहिए। सत्र का संचालन 'डार्क हॉर्स' पुस्तक के लेखक नीलोत्पल मृणाल ने किया।

लेखक मंच पर *व्यंग्य यात्रा* द्वारा 'व्यंग्य नाटकः स्थिति और संभावनाएँ' विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रताप सहगल, राजेश कुमार, राजेंद्र राव, प्रज्ञा रोहिणी आदि व्यंग्यकार सम्मिलित हुए। यहाँ *व्यंग्य विमर्श के संवादी, पांडेय जी और फुरसत के लड्डू, मेरे मन की बाल कहानियाँ* आदि पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। यहाँ उपस्थित वक्ताओं नें व्यंग्य विधा पर बात करते हुए आज के दौर में इसकी भूमिका को रेखांकित किया।

इसी मंच पर विश्व हिंदी साहित्य परिषद द्वारा 'शरद काव्य उत्सव' आयोजित किया गया। काव्योत्सव में अनेक कवियों नें अपनी कविताएँ पाठकों को सुनाईं। उपस्थित कवियों में शामिल थे : श्री गिरीश पंकज, श्री हरेंद्र प्रताप, डॉ विवेक गौतम, डॉ. राजेश श्रीवास्तव व स्वाति श्वेता। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशीष कंधवे द्वारा किया गया।

इसके अतिरिक्त, यहाँ भारतीय दृष्टि एवं न्याय व्यवस्था पर चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे : श्री डी भरत कुमार (महासचिव, अधिवक्ता परिषद) तथा सुश्री मोनिका अरोड़ा (अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय)। चर्चा का संचालन श्री संजीव उनियाल (अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय) ने किया।